संगम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ की हिन्दी पत्रिका

सितंबर - दिसंबर 2021

मुद्रण संस्करण 03 अंक 03

निदेशक का संदेश

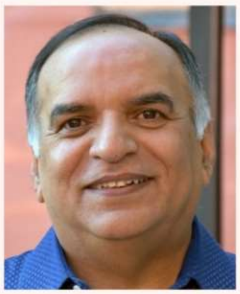

प्रिय मित्रों और भा.प्रौ.सं. रोपड़ के हितैषियों,

नववर्ष की आप सभी को शुभकामनाएं....।

जैसे-जैसे वर्ष का अंत निकट आ रहा है, हमारे पास आभारी होने के लिए बहुत कुछ है। लगभग दो साल की महामारी के बाद और जैसा कि हम देख सकते हैं कि कोरोना वायरस की तीसरी लहर आ रही है, मैं हर दिन आपके तन्यकता से प्रेरित हूं।

यह एक नया साल हो सकता है लेकिन दुनिया परिचित चुनौतियों और खतरों से जूझ रही हैः हम कोविड़-19 की तीसरी लहर में प्रवेश करने की कगार पर हैं। भले ही हम अभी भी इस महामारी से निपट रहे हैं, हम भविष्य की तैयारी कर रहे हैं और अपने छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के तरीकों को देखते हुए विभिन्न परिदृश्यों पर काम कर रहे हैं। 2022 में, हमें विश्वास है कि राष्ट्र स्थिरता को अपनाएगा जो आने वाली पीढ़ियों के लिए लोगों और ग्रह को लाभ पहुचाएगा।

चूंकि वर्ष 2021 वर्ष 2020 से भिन्न नहीं था। अनिश्चितताओं के साथ निरंतर चुनौतियां थीं, लेकिन हमने 2020 से सबक सीखा था। इस अभूतपूर्व चुनौतीपूर्ण समय के दौरान भा.प्रौ.सं. रोपड़ परिवार ने अभिनव और रचनात्मकता को बनाएं रखा। मैं उन सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना करता हूं जो अपने दृष्टिकोण में सकारात्मक, विचारशील और अभिनव थे और जिन्होंने इन अभूतपूर्व समय के दौरान चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित कर दिया।

वर्ष 2022 में, हम और हमारे परिवार के सदस्यों की भलाई को ध्यान में रखते हुए, हम राष्ट्र की मौजूदा समस्याओं के बेहतर समाधान प्रदान करने के लिए और अधिक नवीन और रचनात्मक बनने का प्रयास करेंगे। हमारी कृषि, जल, ऊर्जा और आईओटी के क्षेत्र में कुछ बहुत ही महत्वाकांक्षी तकनीकी परियोजनाओं को शुरू करने की योजना है और यह हमारे छात्रों के लिए तकनीकी ज्ञान और कौशल सीखने और प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा। हम अपने विशेष रूप से अभिकल्पित कार्यक्रमों के माध्यम से आजीवन सीखने के प्रयासों, स्थानीय पहलों तक पहुँचने और स्थानीय समुदायों को शामिल करने पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे।

मैं आपको विविधता लाने और अपने और अपने क्षेत्र की सीमाओं से परे सोचने और सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करूंगा और इससे आपको वास्तविक विद्यार्जन तथा महान अवसर प्राप्त होंगे। पुनश्चः, मैं भा.प्रौ.सं. रोपड़ को बेहतर और सशक्त बनाने में आपके योगदान के लिए आप सभी का धन्यवाद करता हूं और भा.प्रौ.सं. रोपड़ के आगे के लक्ष्य और दृष्टि के साथ सहयोगात्मक कार्य की अपेक्षा करता हूं।

आपको और आपके परिवार के लिए सुख, स्वास्थ्य, शांति और आनंद से भरपूर हो नूतन वर्ष की शुभकामनाएं।

जय हिन्द ।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ का 10वां दीक्षांत समारोह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ (भा.प्रौ.सं. रोपड़) का दसवां वार्षिक दीक्षांत समारोह गुरुवार 30 दिसंबर, 2021 आभासीय रुप में आयोजित किया गया। प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों को यह सुनिश्चित करने के लिए बधाई दी कि कोरोनो वायरस महामारी से उत्पन्न व्यवधानों के बावजूद वार्षिक दीक्षांत समारोह निर्धारित समय पर आयोजित किया गया। श्री एस. के. मुंजाल, अध्यक्ष, हीरो एण्टरप्राइज मुख्य अतिथि थे तथा डॉ. के. राधाकृष्णन, अधिशासी मंडल के अध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने समारोह की अध्यक्षता की।

इस वर्ष, 510 छात्रों ने भा.प्रौ.सं. रोपड़ के विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों से स्नातक किया। इसमें

पीएच.डी पाठ्यक्रम से 52
एमएस अनुसंधान से 2
प्रौद्योगिकी निष्णात से 125
विज्ञान निष्णात से 78
प्रौद्योगिकी स्नातक से 245
प्रौद्योगिकी स्नातक –
प्रौद्योगिकी निष्णात द्वि उपाधि से 8 का समावेश है।

दीक्षांत समारोह में प्रदान किए गए पदक एवं पुरस्कारः-

- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के श्री हर्षित मलिक को वर्ष 2020-21 में प्रौद्योगिकी स्नातक के स्नातक विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया गया।
- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की सुश्री भावना को वर्ष 2020-21 में प्रौद्योगिकी स्नातक के स्नातक विद्यार्थियों में उत्कृष्ट सर्वांगीण प्रदर्शन हेतु निदेशक स्वर्ण पदक से पुरस्कृत किया गया।

- सिविल अभियांत्रिकी विभाग के श्री शुभम धुल को प्रौद्योगिकी स्नातक के स्नातक विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के श्री हर्षित कुमार को प्रौद्योगिकी स्नातक के स्नातक विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के श्री गौरव वाधवा को प्रौद्योगिकी स्नातक के स्नातक विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री मयंक गर्ग को यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक के स्नातक विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री मोहित शर्मा को यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और निष्णात पाठ्यक्रम (प्रौद्यो. स्नातक-प्रौद्यो. निष्णात द्वि उपाधि) से स्नातक विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री मोहित शर्मा को यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक और निष्णात पाठ्यक्रम (प्रौद्यो. स्नातक-प्रौद्यो. निष्णात द्वि उपाधि) से स्नातक विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री सिमरनदीप बहल को वर्ष 2020-21 में यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी निष्णात पाठ्यक्रम के विद्यार्तियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री अस्था सैनी को वर्ष 2020-21 में विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी निष्णात के विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री सुदर्शन कुमार को वर्ष 2020-21 में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी निष्णात पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री अभय वर्षने को वर्ष 2020-21 में सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी निष्णात पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री सुमित कुमार वर्षने को वर्ष 2020-21 में कृत्रिम बुद्धिमत्ता में प्रौद्योगिकी निष्णात पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री अंशुमन को वर्ष 2020-21 में रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी निष्णात पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री अविषेक घोष को वर्ष 2020-21 में रसायन विज्ञान में विज्ञान निष्णात पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री क्लीफोर्ड जे. रोड्रीजस को वर्ष 2020-21 में गणित में विज्ञान निष्णात पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।
- श्री रमनप्रीत सिंह को वर्ष 2020-21 में भौतिक विज्ञान में विज्ञान निष्णात पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में सर्वोच्च संचित कोटि अंक माध्य (सीजीपीए) प्राप्त करने पर संस्थान रजत पदक से पुरस्कृत किया गया।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि श्री एस. के. मुंजाल ने दीक्षांत संबोधन दिया। श्री एस. के. मुंजाल ने साझा किया कि अब समय आ गया है कि हम नेतृत्व करें क्योंकि भारतीयों ने दुनिया भर में कई संगठनों, संस्थानों और कंपनियों को नेतृत्व प्रदान किया है, जिनमें गहरी तकनीक पर काम करने वाले, सभी प्रकार के नवाचार पर काम करने वाले, चाहे अंतरिक्ष यान के साथ काम करना हो, अंतरिक्ष अन्वेषण, स्वास्थ्य अनुसंधान आदि का समावेश है। हमारे देश में, भारत में और विश्व में काम करने वाले दोनों के साथ प्रचुर मात्रा में प्रतिभा है। आईये, हम अपने लिए इन सभी को मस्तिष्क बैंक में परिवर्तित करें।

डॉ. के. राधाकृष्णन, अध्यक्ष, अधिशासी मंडल, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने दीक्षांत समारोह के दौरान अपने विचारों को साझा करते हुए कहा कि अकादमिक उत्कृष्टता आईआईटी रोपड़ का आधार है। उन्होंने अनुसंधान परिणामों और प्रकाशनों को उदाहरण देते हुए संस्थान के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र की प्रशंसा की।

वर्ष 2021 में संस्थान की प्रमुख उपलब्धियां

- भा.प्रौ.सं. रोपड़ के छात्रों की संख्या बढ़कर 2554 हो गई है, जिसमें 1354 यूजी, 445 पीजी, 3 एमएस (आर) और 740 पीएचडी छात्र शामिल हैं।
- भा.प्रौ.सं. रोपड़ में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या 2015-16 में 87 से बढ़कर 2021-22 में 569 हो गई है, जो छात्राओं के प्रवेश में लगभग 6 गुना वृद्धि है।
- मा.सं.वि.मं. के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में, भा.प्रौ.सं. रोपड़ को शीर्ष अभियांत्रिकी संस्थानों में उन्नीसवां (19वां) और देश के सभी भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों और संस्थानों में इक्कतीसवां (31वां) स्थान दिया गया।
- भा.प्रौ.सं. रोपड़ 351-400 के कोष्ठक में और टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022 में 100 प्रतिशत उद्धरण स्कोर के साथ भारत में दूसरे स्थान पर है।
- टाइम्स हायर एजुकेशन, एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2021 में, भा.प्रौ.सं. रोपड़ एशिया में 55वें स्थान पर रहा।
- टाइम्स हायर एजुकेशन, इमर्जिंग इकोनॉमीज रैंकिंग 2021 में, भा.प्रौ.सं. रोपड़ को 86वां स्थान दिया गया है
- टाइम्स हायर एजुकेशन यंग यूनिवर्सिटी रैंकिंग में, हमने विश्व में शीर्ष 100 में आते हुए 63वीं रैंक हासिल की।
- संस्थान के संकाय सदस्यों और विद्वानों ने 2021 में 79 के एच-इंडेक्स के साथ उच्च प्रभाव वाली अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 570 पत्र प्रकाशित किए।
- अब तक, संस्थान ने रु. 229.01 करोड़ के परिव्यय के साथ 311 परियोजनाएं प्राप्त की।
- भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने परामर्श परियोजनाओं में वृद्धि देखी, जो 222 परियोजनाओं साथ रु. 14.56 करोड़ तक पहुंच गई है।
- भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने 2020-21 में 14.94 लाख रुपये प्रति वर्ष के औसत पैकेज के साथ 82% समग्र स्थानन प्राप्त किया है।

पुरस्कार एवं मान्यता

आई.आई.टी. रोपड़ राजभाषा शील्ड से पुरस्कृत

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), रुपनगर की अर्धवार्षिक बैंठक तथा वार्षिक राजभाषा शील्ड का पुरस्कार वितरण समारोह आई.आई.टी रोपड़ में संपन्न हुआ। इस बैठक में आई.आई.टी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा, श्री नरेन्द्र मेहरा, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार, श्री एस. के. सचदेवा, अंचल प्रबंधक यूको बैंक, श्री एस. के. श्रीवास्तव, एनएफएल नंगल के मुख्य महाप्रबंधक, नराकास रुपनगर के अध्यक्ष श्री राजिन्द्र कुमार जसरोटिया तथा आई.आई.टी रोपड़ के कुलसचिव श्री रविंदर कुमार विशेष रुप से उपस्थित थे।

प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, आईआईटी रोपड़ वार्षिक राजभाषा शील्ड के साथ

इस बैठक में सभी मान्यवरों की उपस्थिति में वर्ष 2019-20 और वर्ष 2020-21 की नराकास, रुपनगर की वार्षिक राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। इसमें आई.आई.टी. रोपड़ को वर्ष 2019-20 और वर्ष 2020-21 हेतु द्वितीय स्थान की वार्षिक राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। इस राजभाषा शील्ड को आई.आई.टी रोपड़ को निदेशक प्रो. राजीव आहूजा को प्रदान की गई।

इस पुरस्कार वितरण समारोह में नराकास रुपनगर की पत्रिका रुपसागर का भी विमोचन किया गया तथा रुपसागर पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्य के रुप में अपने दायित्व का निर्वहन करने हेतु आई.आई.टी रोपड़ के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे को स्मृतिचिन्ह प्रदान किया गया।

गोइंग ग्लोबल पार्टनरशिप ग्रांट

डॉ. नितिन औलक, सह प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग को ब्रिटिश काउंसिल द्वारा ग्लोबल पार्टनरशिप ग्रांट के लिए चुना गया है। यह अनुदान शिक्षण और अनुसंधान के संयुक्त कार्यक्रमों के सह-निर्माण के लिए भारत-यूके की भागीदारी के उद्देश्य से है।

विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार-अनुसंधान उत्कृष्टता

प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने भा.प्रौ.सं. रुड़की द्वारा प्रतिष्ठित विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार-अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त की।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत फैलो (NASI FELLOW)

प्रो. मनोरंजन मिश्रा, गणित विभाग को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के फैलो को रुप में चयनित किया गया।

समझौता ज्ञापन

एनआईटी श्रीनगर और एनआईटी जालंधर के साथ सहयोग

भा.प्रौ.सं. रोपड़ और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर और रा.प्रौ.सं. जालंधर ने सहयोगी अनुसंधान कार्यों, पीएचडी छात्रों के संयुक्त पर्यवेक्षण, संयुक्त कार्यशालाओं और संगोष्ठियों आदि सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रों में शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों पर सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता ज्ञापन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के मेधावी छात्रों का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ में अपना अंतिम सेमेस्टर बिताने, पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने और एक परियोजना करने के लिए स्वागत करने के लिए भा.प्रौ.सं. रोपड़ की पहल का एक हिस्सा है। इस दौरान छात्रों को एक कठोर चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा, और उनकी निरंतर उत्कृष्टता के अधीन, आईआईटी रोपड़ में पीएचडी कार्यक्रमों में शीघ्र प्रवेश के लिए विचार किया जाएगा।

संस्थान ने कहा कि समझौता ज्ञापन एनआईटी श्रीनगर के संकाय को पोस्टडॉक पदों या भा.प्रौ.सं. रोपड़ में उपलब्ध अन्य अवसरों के लिए आवेदन करने का अवसर प्रदान करता है।

कृषि और पानी से संबंधित अनुसंधान और एनआईटी श्रीनगर और एनआईटी जालंधर में इस अवध (कृषि और जल प्रौद्योगिकी विकास हब) स्पोक केंद्र से नवाचार कृषि, खाद्य और जल अनुप्रयोग डोमेन में 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में मदद करेंगे। फैकल्टी, छात्र और शोध छात्र आईआईटी रोपड़ और प्रासंगिक उद्योग एक्सचेंज के विशेषज्ञ सलाहकारों से मार्गदर्शन लेकर ₹एवरग्रीन भारत₹ बनाने के लिए तकनीकी समाधानों का नवाचार करेंगे।

सतर्कता जागरुता सप्ताह 2021

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2021 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया। इस दौरान व्याख्यानों, प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन प्रतियोगिता आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया।

ताइवान शिक्षा केंद्र

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने भारत और ताइवान के बीच शिक्षा और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए अपने परिसर में एक ताइवान शिक्षा केंद्र शुरू किया है। केंद्र ताइवान और भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समझ और सहयोग की सुविधा के लिए भारतीय छात्रों और शिक्षकों के बीच मंदारिन (चीनी) भाषा को भी बढ़ावा देगा। ताइवान के प्रतिनिधिमंडल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

आनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 8 सितंबर 2021

दिनांक 8 सितंबर 2021 को संस्थान के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा राजभाषा हिंदी के वांछित लक्ष्यों की पूर्ति करने के उद्देश्य से आनालाइन माध्यम से हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला "हिंदी ई-टूल्स (यूनोड, हिंदी की-बोर्ड, लीला, कंठस्थ, ई-महाशब्दकोश, ई-पुस्तकालय, हिंदी बोलकर टाइप करना)" विषय पर आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में संस्थान सदस्यों को मार्गदर्शन करने हेतु श्री नगेन्द्र सिंह, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केंद्र, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को विशेष रुप से आमंत्रित किया गया था।

कार्यशाला का आरंभ संस्थान के कार्यवाहक कुलसचिव श्री रविंदर कुमार द्वारा स्वागत भाषण से हुआ। श्री रविंदर कुमार ने आमंत्रित वक्ता महोदय तथा उपस्थित सभी संस्थान सदस्यों का औपचारिक स्वागत किया और अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि कार्यालयनी कामकाज की बात करें तो हम सभी जानते है कि बिना कंप्यूटर के हम इसकी कल्पना नहीं कर सकते। और इस परिदृश्य में यदि हिंदी को आगे बढ़ाना है तो हिंदी को टैक्नोलोजी फ्रेंडली बनाना हमारी आवश्यकता है। आज की यह कार्यशाला इसी उद्देश्य को लेकर आयोजित की जा रही है।

इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान सदस्यों को हिंदी में कार्य करने के दौरान विभिन्न तकनीकी पक्षों की जानकारी देना था जिसकी सहायता से वे अपना कार्य सरलता एवं सुगमता से कर सकें। आमंत्रित वक्ता महोदय ने संस्थान सदस्यों को विस्तार से सभी तकनीकी पक्षों पर मार्गदर्शन किया। साथ ही, कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने के दौरान आनेवाली समस्याओं पर भी प्रकाश ड़ालते हुए उसका समाधान भी प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के कुछ क्षण

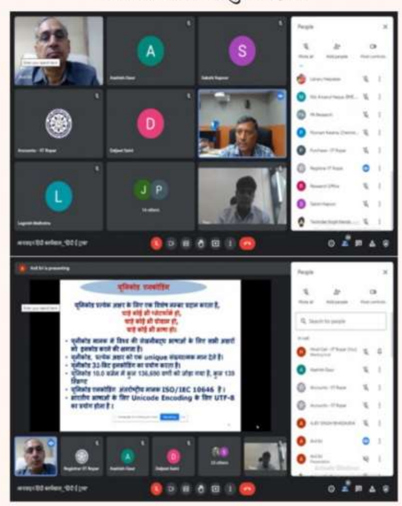

आनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 20 दिसंबर 2021

दिनांक 20 दिसंबर 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा आनलाइन हिंदी कार्यशाला आयोजन किया गया। यह कार्यशाला "राजभाषा हिंदी एवं विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम" विषय पर आयोजित गई। इस कार्यशाला में संस्थान सदस्यों का मार्गदर्शन करने हेतु श्रीमती कमलेश बजाज, उपनिदेशक, मध्योत्तर कार्यालय, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरार को आमंत्रित किया गया था।

कार्यशाला की शुरुवात में, संस्थान के हिंदी अनुवाद ने सभी सदस्यों के समक्ष कार्यशाला की पृष्ठभूमि एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। संस्थान के हिंदी अधिकारी/संयुक्त कुलसचिव श्री लगवीश कुमार ने औपचारिक स्वागत भाषण किया। अपने औपचारिक स्वागत भाषण में हिंदी अधिकारी, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने

कार्यशाला के कुछ क्षण

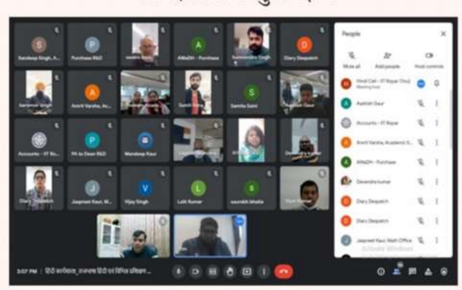

आमंत्रित वक्ता महोदया तथा उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा भा.प्रौ.सं. रोपड़ के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रशिक्षणों में की जा रही सहभागिता पर भी अपने विचार रखें।

कार्यशाला की वक्ता महोदया ने उपस्थितों सर्वप्रथम राजभाषा नियमों, अधिनियमों की जानकारी दी। इसके पश्चात वक्ता महोदया ने सभी को हिंदी शिक्षण योजना द्वारा तथा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर संचालित किए जानेवाले विभिन्न प्रशिक्षण जैसे कि हिंदी भाषा प्रशिक्षण (प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ तथा पारंगत), कंप्यूटर पर पांच दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

विभिन्न प्रशिक्षणों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वक्ता महोदया ने दैनंदिन कार्यालयनी कामकाज में आनेवाली प्रमुख समस्याओं पर भी सभी का मार्गदर्शन किया। वक्ता महोदया श्रीमती कमलेश बजाज जी ने सभी से यह आग्रह किया कि अधिक शुद्धता आग्रह न रखते हुए आप जो बोलते है वहीं हिंदी में लिखना प्रारंभ करें। समय के साथ-साथ हिंदी के शब्दों का भी ज्ञान आपको हो जाएगा।

अंत में, संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने आमंत्रित वक्ता महोदया को संस्थान के सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रशिक्षणों में जो उपलब्धियां प्राप्त की गई है फिर वे कंप्यूटर पर बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम हो, हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण हो अथवा हिंदी भाषा प्रशिक्षण, इन सभी के संबंध में संक्षिप्त जानकारी देते हुए वक्ता महोदया तथा उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिंदी पखवाड़ा 2021 का आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़ा 2021 का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किया। यह पखवाड़ा 14 सितंबर 2021 से 28 सितंबर 2021 तक आयोजित किया गया था। इस पखवाड़ा के दौरान संस्थान के विद्यार्थियों के लिए कुल 05 प्रतियोगिताएं, संस्थान के संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों के लिए कुल 11 प्रतियोगिताएं, सुरक्षा/सफाइ/परिचारकों के लिए 01 प्रतियोगिता तथा संस्थान सदस्यों के बच्चों एवं परिवारजनों के लिए 01 प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

हिंदी पखवाड़ा 2021 का शुभारंभ संस्थान के माननीय निदेशक प्रो. राजीव आहूजा के संबोधन से हुआ।

इस अवसर पर प्रो. आहूजा महोदय ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संस्थान के सभी सदस्यों से हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की।

इस पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह के बाद अगले 15 दिनों तक विभिन्न श्रेणियो में विभिन्न प्रतियोगिताओं का दौर चलता रहा जिसमें संस्थान के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने न केवल अपनी उत्साहजनक सहभागिता दिखाई अपितु अपने कलागुणों को भी सभी के समक्ष रखा जो इस पखवाड़े के आयोजन का मुख्य उद्देश्य था।

इस पखवाड़ा का समापन समारोह दिनांक 29 अक्टूबर 2021 को संपन्न हुआ जिसमें विजेताओं को संस्थान के माननीय निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इस समापन समारोह का संचालन संस्थान के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. अनुपम अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर प्रो. राजीव आहूजा ने सभी विजेताओं का अभिनंदन किया तथा अपने संस्मरणों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हिंदी की महत्ता पर सभी के साथ अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर अधिष्ठाता (संकाय मामले एवं प्रशासन) डॉ. मनोरंजन मिश्रा ने हिंदी प्रकोष्ठ की गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत करते हुए सभी को इस बात से अवगत कराया कि संस्थान को राजभाषा हिंदी में श्रेष्ठ कार्य करने हेतु नराकास, रुपनगर की वित्तीय वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिए द्वितीय राजभाषा शील्ड हेतु चयनित किया गया है। इसके लिए डॉ. मिश्रा ने हिंदी प्रकोष्ठ के कार्यों की सराहना एवं प्रशंसा की।

श्री रविंदर कुमार, कार्यवाहक कुलसचिव ने इस अवसर पर सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने धन्यवाद ज्ञापन में कुलसचिव महोदय ने संस्थान की विभिन्न हिंदी गतिविधियों एवं उत्तरोत्तर प्रगति की सराहना एवं प्रशंसा की।

प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह को संबोधित करते हुए

डॉ. मनोरंजन मिश्रा, अधिष्ठाता (संकाय मामले एवं प्रशासन) विशेष वक्तव्य देते हुए

श्री रविंदर कुमार, कार्यवाहक कुलसचिव धन्यवाद ज्ञापित करते हए

डॉ. अनुपम अग्रवाल, सह प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग समारोह का संचालन करते हुए

संस्थान के कर्मचारी पुरस्कार लेते हुए

संस्थान के विद्यार्थी पुरस्कार लेते हुए

संस्थान के सफाई/सुरक्षा/बागबानी कर्मचारी पुरस्कार लेते हुए

माननीय निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कार प्राप्त करते हुए

नराकास सदस्य कार्यालयों के लिए हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी कविता प्रतियोगिता का आयोजन

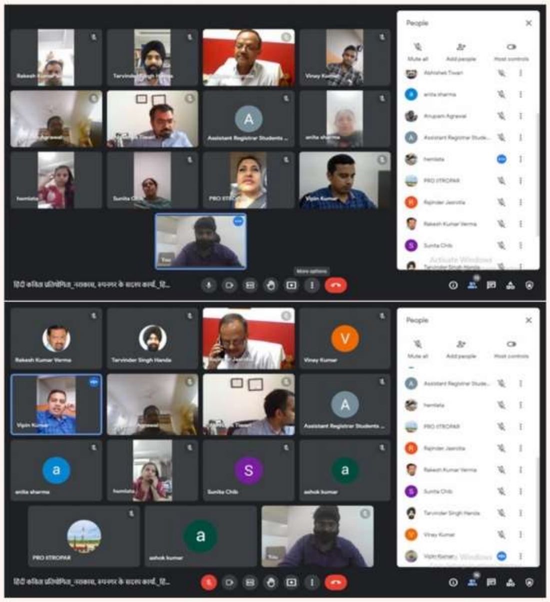

हिंदी प्रकोष्ठ, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत नराकास रुपनगर के सभी सदस्य कार्यालयों के लिए हिंदी कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया। हिंदी कविता प्रतियोगिता दिनांक 28 सितंबर 2021 को आनलाइन माध्यम से आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में नैशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड नंगल इकाई, नाइलेट, यूको बैंक तथा इंडियन बैंक रुपनगर के सदस्यों ने सहभागिता ली। इस प्रतियोगिता हेतु परीक्षक के रुप में नराकास रुपनगर के अध्यक्ष श्री राजिन्द्र जसरोटिया, आई.आई.टी. रोपड़ के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. अनुपम अग्रवाल तथा आई.आई.टी. रोपड़ के धातुकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अभिषेक तिवारी को आमंत्रित किया गया था।

इस अवसर पर प्रतिभागियों ने किसी अन्य की कविता के साथ-साथ स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में श्री विपिन कुमार (आई.आई.टी रोपड़,) को प्रथम पुरस्कार, श्री राकेश कुमार वर्मा (एनएफएल) को द्वितीय पुरस्कार, डॉ. हेमलता (यूको बैंक) को तृतीय पुरस्कार तथा श्रीमती सुनीता चिब (नाइलिट) और श्रीमती प्रीतेंदर कौर (आई.आई.टी. रोपड़) को संयुक्त रुप से प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। इन विजेताओं को नराकास रुपनगर द्वारा 06 अक्टूबर 2021 को आयोजित संगोष्ठी के दौरान पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन आई.आई.टी रोपड़ के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने किया।

नराकास रुपनगर द्वारा सभी सदस्य कार्यालयों के लिए आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में आई.आई.टी. रोपड़ की सहभागिता

नराकास रुपनगर द्वारा हिंदी पखवाड़ा 2021 के अंतर्गत सभी सदस्य कार्यालयों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें यूकों बैंक द्वारा दिनांक 14 सितंबर 2021 को आनलाइन हिंदी टिप्पण प्रतियोगिता, एनएफएल द्वारा दिनांक 18 सितंबर 2021 को चित्र लेखन प्रतियोगिता, बैंक आफ इंडिया द्वारा दिनांक 24 सितंबर 2021 को राजभाषा ज्ञान एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, आई.आई.टी. रोपड़ द्वारा दिनांक 28 सितंबर 2021 को हिंदी कविता प्रतियोगिता तथा केनरा बैंक द्वारा दिनांक 29 सितंबर 2021 को कार्टून संवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह सभी प्रतियोगिताएं आनलाइन माध्यम से आयोजित की गई थी जिसमें आई.आई.टी रोपड़ के कर्मचारी सदस्यों ने सहभागिता ली।

आई.आई.टी रोपड़ के श्री विपिन कुमार को आनलाइन हिंदी टिप्पण प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार तथा हिंदी कविता प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। राजभाषा ज्ञान एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगित में आई.आई.टी रोपड़ के श्री नवीन, वरिष्ठ सहायक को प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। आई.आई.टी. रोपड़ की जनसंपर्क अधिकारी श्रीमती प्रीतेंदर कौर को हिंदी कविता प्रतियोगिता हेतु प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

नराकास द्वारा आयोजित राजभाषा संगोष्ठी में सहभागिता

नराकास रुपनगर द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह/पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 06 अक्टूबर, 2021 को आनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर नराकास रुपनगर द्वारा आनलाइन नराकास संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

नराकास संगोष्ठी का विषय आज़ादी का अमृत महोत्सवः राजभाषा का सफर यह था।

इस अवसर पर सुश्री नीना बहल, सहायक निदेशक, आकाशवाणी, चण्डीगढ़ को मुख्य वक्ता के रुप में विशेष रुप से आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर अन्य मान्यवर भी उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में विशेष सम्बोधन हेतु आई.आई.टी. रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा को आमंत्रित किया गया था तथा इसकी अध्यक्षता यूको बैंक, चंडीगढ़ के अंचल प्रबंधक श्री एस. के. सचदेवा ने की।

प्रो. राजीव आहूजा भारत और विदेश में हिंदी और राजभाषा की दशा और दिशा पर अपने विचार रखते हुए इसके प्रयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

इस अवसर पर नराकास रुपनगर के अध्यक्ष श्री राजिन्द्र कुमार जसरोटिया ने भी अपने विचार वक्त करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण

व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण)

केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टंकण) पत्राचार पाठ्यक्रम स्कंध, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित हिंदी शब्द संसाधन एवं हिंदी टाइपिंग पत्राचार प्रशिक्षण के सत्र 62वें (01 अगस्त 2021 से माह जनवरी 2022) में संस्थान के पंजीकृत 09 सदस्यों ने दिनांक 04 अक्टूबर 2021 से 06 अक्टूबर 2021 तक आयोजित व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम में भाग लिया।

इस व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम के दौरान श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक, हिंदी शब्द संसाधन आशुलिपि प्रशिक्षण केन्द्र चण्डीगढ़ ने सभी का मार्गदर्शन करते हुए परीक्षा की दृष्टि से सभी पंजीकृत सदस्यों की तैयारी का जायजा लिया।

इस व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम में अपनी सक्रिय सहभागिता से सभी पंजीकृत सदस्यों अपनी समास्याओं का समाधान प्राप्त किया।

61वां सत्र (फरवरी 2021 से जुलाई 2021)

28 अक्टूबर 2021 को संपन्न हिंदी टाइपिंग परीक्षा में संस्थान के तीन सदस्य उत्तीर्ण

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित 61वां (सत्र फरवरी 2021 से जुलाई 2021) हिंदी शब्द संसाधन/हिंदी टंकण पत्राचार पाठ्यक्रम प्रशिक्षण में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कुल 03 सदस्यों ने माह अक्टूबर में संपन्न परीक्षा को प्रथम विशेष श्रेणी में उत्तीर्ण किया।

सुश्री जसप्रीत कौर,
कनिष्ठ सहायक,
गणित विभाग

श्री नवीन,
वरिष्ठ सहायक,
निदेशक सचिवालय

सुश्री मनदीप कौर,
कनिष्ठ सहायक,
स्थापना अनुभाग

संस्थान के हिंदी प्रकोष्ठ ने इस परीक्षा की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए इस सत्र के पंजीकृत शोधार्थियों के लिए दिनांक 15 मार्च 2021 से 18 मार्च 2021 तक आनलाइन माध्यम से आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था।

हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर इस प्रशिक्षण के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए किए गए सभी प्रयोग और सदस्यों की सक्रिय सहभागिता से इस प्रशिक्षण में संस्थान के उत्तीर्ण कर्मचारियों में ओर 03 सदस्यों ने अपना स्थान सुनिश्चित किया है।

62वां सत्र (अगस्त 2021 से जनवरी 2022)

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के द्वारा संचालित 62वां (सत्र अगस्त 2021 से जनवरी 2022) हिंदी शब्द संसाधन/हिंदी टंकण पत्राचार पाठ्यक्रम प्रशिक्षण में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कुल 09 सदस्यों को पंजीकृत कराया गया है। इन पंजीकृत सदस्यों की परीक्षा दिनांक 12 जनवरी 2022 तथा 17 जनवरी 2022 को हिंदी टंकण एवं आशुलिपि प्रशिक्षण केंद्र, चण्डीगढ़ में आयोजित की जा रही है।

हिंदी भाषा प्रशिक्षण

हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित हिंदी भाषा प्रशिक्षण (सत्र जनवरी-मई 2021 और जुलाई-नवंबर 2021) के प्राज्ञ, प्रबोध तथा पारंगत हेतु पंजीकृत सदस्यों की परीक्षा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ में आयोजित की गई थी। यह परीक्षा दिनांक 16, 17 और 18 नवंबर को संस्थान में आयोजित परीक्षा का परिणाम दिनांक 31 दिसंबर 2021 को राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर घोषित/प्रविष्ट किया गया था।

हिंदी प्रबोध और हिंदी प्राज्ञ परीक्षा उत्तीर्ण सदस्य (सत्रः जनवरी-मई 2021)

हिंदी प्रबोध
सुश्री नबनीता चक्रबोर्ती,
कनिष्ठ अधीक्षक

हिंदी प्राज्ञ
डॉ. ब्रिजेश कुंभाणी,
सहायक प्राध्यापक,
विद्युत अभि. विभाग

हिंदी प्राज्ञ
सुश्री समिता सैनी,
वरिष्ठ प्रयोगशाला
सहायक

हिंदी पारंगत परीक्षा उत्तीर्ण सदस्य
सत्रः जनवरी-मई 2021

श्री रविंदर कुमार,
संयुक्त कुलसचिव

श्री लगवीश कुमार
संयुक्त कुलसचिव

श्री विजय कुमार, अधीक्षक,
भंडार एवं क्रय अनुभाग

सुश्री रुबल बत्ता,
कनि. सहायक,
डायरी एवं प्रेषण अनुभाग

श्री संतोष देवगम,
वरिष्ठ सहायक,
विद्युत अभि.

सुश्री नेहा डण्ढारे,
वरिष्ठ सहायक,
शैक्षणिक अनुभाग

श्री आशीष गौड़,
कनि. सहायक,
भंडार एवं क्रय अनुभाग

सुश्री परविंदर कौर,
कनि. सहायक,
शैक्षणिक अनुभाग

श्री समनेन्द्र सिंह,
कनि. अधीक्षक,
भंडार एवं क्रय अनुभाग

सुश्री रितिका,
कनिष्ठ अधीक्षक,
शैक्षणिक अनुभाग

श्री विजय सिंह,
लेखा अधिकारी

श्री विपिन कुमार,
लेखा अधिकारी

श्री नवीन, वरि. सहायक,
निदेशक सचिवालय

सत्रः जुलाई-नवबंर 2021

सुश्री पूनम, वरिष्ठ सहायक,
शैक्षणिक अनुभाग

श्री संदीप सिंह, कनि. सहायक,
शैक्षणिक अनुभाग

नव कार्यारंभ

प्रोफेसर के रुप में संकाय सदस्यों का कार्यग्रहण

डॉ. चक्रधर रेड्डी
विद्युत अभियांत्रिकी

डॉ. नवीन कुमार
यांत्रिक अभियांत्रिकी

डॉ. मनोरंजन मिश्रा
गणित

डॉ. राजेन्द्र श्रीवास्तव
रसायन

डॉ. नरिंदर सिंह
रसायन

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

डॉ. नीलोत्पल सिंघा, परामर्शदाता
(विपुल प्रतिबिम्ब विश्लेषण सुविधा) (संविदा पर)
कें.अनु. सुवि. (सीआरएफ)

श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव
परियोजना सहायक (तकनीकी) (संविदा पर)
धातुकी एवं पदार्थ अभि. विभाग

मन और आत्मा

दुनिया का बस एक ही रूप,
तू सुन्दर और मैं कुरूप,
तुझको ABC न आता,
मैं तो A से Z पढ़ाता,
फिर भी तू सबों को भाता,
मैं तो कुछ भी नहीं पाता,
दुनिया का बस एक ही रूप,
तू सुन्दर और मैं कुरूप
तू हैं की बस सपने देखता,
मैं सपनों को तबज़्ज़ो न देता,
सपनों के अंदर तू है बसता,
मेरे अंदर सपने बसते,
फिर भी तू चलते जाता,
मैं गिरता और फिर उठ जाता,
दुनिया का बस एक ही रूप,
तू सुन्दर और मैं कुरूप
तू कहता कि तू भगवान्,
मैं कहता मुझमें हैं श्री राम,
तू जिद पे अड़ा है रहता,
मैं नित्य झुकता रहता,
चाहे हो तू कितना महान,
मुझे नहीं इसका गुमान,
जाते-जाते सुन ले बात,
कभी तो हो जा मेरे साथ,
एक सिक्के के हम दो पहलु,
एक साथ क्यों नहीं रहलु।

ऋतभ किशोर
पीएच. डी. शोधार्थी
यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

सब अपने हैं

ये बारिश, ये तन्हाई सब अपने हैं
तुम साथ होकर भी साथ नहीं
क्या ये हकीकत है या सब सपने हैं
तुम्हें पाकर भी न पाया है
हम अभी भी अधूरे हैं
ये बारिश ये तन्हाई सब अपने हैं
तुम्हें पाने को सब कुछ अपना लुटाते हैं
अपना धर्म, स्वाभिमान, और ईमान भी गंवाते हैं
और क्या कीमत है तुम्हें पाने की
हम अपनी जान भी लगाते हैं
ये बारिश, ये तन्हाई सब अपने हैं
तुम समझ न सके हम कितने टूटे हैं
तुम्हारे लिए हम खुद लुटे हैं
अब तो कुछ भी न अपना बचा है
बस तुम में हम और हम में तुम
ये बारिश, ये तन्हाई सब अपने हैं
कभी तो समझो मुझको, या बस हम ही समझें हैं
क्या तुम वही हो, जिसके बस हम अपने हैं
शायद कुछ बदल गया है, अब न हम अपने हैं
शायद ये सब अब सपने हैं,
ये बारिश, ये तन्हाई ये ही बस अपने हैं,
ये बारिश, ये तन्हाई ये ही बस अपने हैं।

चन्द्रशेखर
पीएच. डी. शोधार्थी
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

संरक्षक संपादक
प्रो. राजीव आहूजा
निदेशक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

परामर्शदाता संपादक
डॉ. अभिषेक तिवारी
संकाय प्रभारी (हिन्दी)

श्री लगवीश कुमार
हिन्दी अधिकारी तथा संयुक्त कुलसचिव
भा.प्रौ.सं.रोपड़

संपादक
डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे
हिन्दी अनुवादक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

अभिकल्प, प्रकाशन एवं मुद्रण
सुश्री प्रीतेंदर कौर
जनसंपर्क अधिकारी, भा.प्रौ.सं.रोपड़
संपादन सहयोग
श्री ऋतभ किशोर
छात्र समन्वयक (संगम पत्रिका),
पीएच. डी. शोधार्थी, यांत्रिक अभि. विभाग, भा.प्रौ.सं.रोपड़